समाचार

DECU–ISRO द्वारा ज्ञानदूत 2 के तहत ई–कंटेंट तैयार करने हेतु Workshop

ज्ञानदूत 2.0 के अंतर्गत क्वालिटी ई–कंटेंट निर्माण हेतु कॉलेज शिक्षा विभाग, राजस्थान द्वारा ज्ञानकौशल एवं गुणवत्ता संवर्द्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम करवाए जा रहे है। जिसमें पहला दो दिवसीय प्रशिक्षण 24–25 जनवरी 2022 को आयुक्तालय स्तर पर आयोजित करवाया गया। इसी की निरंतता में 21–24 फ़रवरी 2022 को ISRO के विकास एवं शैक्षिक संचार यूनिट (DECU), अहमदाबाद के सहयोग से 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम कॉलेज शिक्षा के संकाय सदस्यों के लिए आयोजित करवाया गया।

इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में शासन सचिव उच्च एवं तकनीकी शिक्षा श्री भवानी सिंह देथा ने कहा की कोविड की विषम परिस्थितियो में राजस्थान के हिंदी भाषी विद्यार्थियों के लिए क्वालिटी ई–कंटेंट ऑनलाइन उपलब्ध करवाने के लिए आरंभ किया गया। यह "ज्ञानदूत कार्यक्रम" बहुत ही अच्छा प्रयास रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विभाग अच्छी गुणवत्ता का विषयवार ई–कंटेंट हिंदी भाषा में उपलब्ध करवाने का प्रयास कर रहा है, ये कंटेंट सभी राजकीय एवं निजी महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों के नियमित एवं स्वयंपाठी विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क उपलब्ध हो सकेंगे। इस कार्यक्रम के माध्यम से राजकीय महाविद्यालयों में पढ़ाये जाने वाले राजकीय विश्वविद्यालयों के सभी विषयों के टॉपिक्स को कवर करते हुए इन व्याख्यानों को सूचिबद्ध एवं क्रमबद्ध करके ज्ञानदूत यूट्यूब चैनल के माध्यम से उपलब्ध करवाया जा रहा है ताकि विद्यार्थी इन्हें आसानी से पढ़ सकें।

कार्यक्रम में उपस्थित निदेशक DECU–ISRO के डायरेक्टर श्री राजेश खंडेलवाल ने ज्ञानदूत कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा की दूर शिक्षा, मल्टीमीडिया कार्यक्रम निर्माण एवं प्रशिक्षण, शैक्षिक एवं विकासात्मक विडियो कार्यक्रम तैयार करना DECU के कार्य हैं।

इस कार्यक्रम में उपस्थित कॉलेज शिक्षा की आयुक्त महोदया ने DECU–ISRO की टीम को इस कार्यक्रम के आयोजन की सहमति के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम का उद्देश्य यह है कि राजस्थान के सभी मुख्य राजकीय विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमानुसार विषयवार क्वालिटी ई–कन्टेन्ट तैयार किया जा सके जिससे विद्यार्थी इन विडियोज़ को कभी भी कहीं भी देख–पढ़ सकें । आयुक्त ने बताया कि ज्ञानदूत कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विषयवार गुणवत्तापूर्ण ई–कंटेंट रिपोजेटरी तैयार करना है ताकि विद्यार्थियों की शिक्षण व्यवस्था निर्बाध रूप से चलती रहे। अभी तक ज्ञानदूत 2.0 में संचालित 14 विषयों के लगभग 330 वीडियोज अपलोड किए जा चुके हैं ।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आयोजित 13 तकनीकी सत्रों के माध्यम से विडियो कंटेंट डेवलपमेंट, रिसर्च स्क्रिप्ट राइटिंग, मल्टीमीडिया प्रोग्राम, टेक्निकल क्नो–हाउ आदि के बारे में जानकारी दी गयी। ग्रुप ऐक्टिविटीज़ के

Scanned with CamScanner

माध्यम से यह कार्यक्रम बहुत ही रोचक रहा। विषयवार आयोजित समूह गतिविधियों में प्रतिभागियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। गौरतलब है की इस कार्यक्रम में 25 जिलों के 101 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंतिम दिन के कुछ प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए जिसमें उन्होंने इस कार्यक्रम की उपादेयता एवं आवश्यकता पर प्रकाश डाला एवं भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन का सुझाव दिया।

इस कार्यक्रम का समन्वय डूंगर कॉलेज बीकानेर के डॉ नरेंद्र भोजक द्वारा एवं कार्यक्रम की मोनिटरिंग आयुक्तालय के नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा की गई।

इस कार्यक्रम में आयुक्तालय में नवाचार एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ विनोद भरद्वाज तथा सह–प्रभारी डा. ललिता यादव तथा DECU–ISRO की तरफ़ से DECU के ग्रुप प्रमुख श्री धर्मेश भट्ट, श्री राहुल शर्मा एवं डॉ संभवनाथ, आयोजक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जी पी सिंह भी उपस्थित रहे।

Scanned with CamScanner